दादा भगवान के असीम जय जयकार हो

दादा भगवान परिवार - अडालज द्वारा आयोजित

आत्मज्ञानी पूज्य श्री दीपकभाई के सानिध्य में सम्मेत-शिखरजी यात्रा

ता. 15 से 25 जनवरी 2020

महात्माओं के लिए आनंद का समाचार हैं | पूज्य श्री दीपकभाई के साथ राजगीर- सम्मेत शिखर जैसी पवित्र तीर्थ भूमि पर जनवरी – 2020 में यात्रा करने का आयोजन किया गया है | ये धार्मिक स्थल बिहार और झारखंड राज्य में आते हैं | तो चलिए, हम सभी विस्तार से इस यात्रा की जानकारी प्राप्त करते हैं |

यात्रा के लिए योग्यता (Criteria)

यात्रा के विविध स्थलों में व्यवस्था मर्यादित है | आवास, भोजन, ट्रांसपोर्ट और मंदिर दर्शन की व्यवस्था का योग्य प्रबंध हो पाए, इसीलिए यात्रा में जुड़ने के लिए नीचे अनुसार योग्यता ध्यान में रखी जाएगी और सीलेक्शन किया जायेगा :-

१. **किन महात्माओं को प्राथमिकता** दी जायेगी ?
   a. जिन्होंने 2017 से पहले ज्ञान लिया हो
   b. जो लोकल साप्ताहिक सत्संग सेंटर में नियमित हों
   c. जो अडालज शिविरों में नियमित आते हों
   d. जिन्होंने पूज्यश्री दीपकभाई के साथ ऐसी लंबी यात्रा कभी नहीं की हो
२. इस यात्रा में **ज्यादा ट्रेवलिंग** और **कठिन पहाड़ी यात्रा** होने की वजह से जिन्हें **शारीरिक तकलीफ हो** (जैसे कि अस्थमा, डायबिटीज़, ब्लडप्रेशर, जोड़ों का दर्द आदि) उन महात्माओं को **भाग नहीं लेने के लिए हमारी सलाह** है |
३. यदि फॉर्म भरने वालों की संख्या यात्रा में लेकर जाने के लिए निर्धारित संख्या से ज्यादा होगी तो अन्य मुद्दे भी योग्यता के लिए ध्यान में रखे जाएंगे|

ध्यान में रखने जैसे मुद्दे

इस यात्रा के स्थल पौराणिक, धार्मिक और ऐतिहासिक हैं | लेकिन वहां, अपने संघ को ले जा पाएँ, उतनी सुविधा नहीं है | इसलिए नीचे बताई गई कुछ बातों में हमारे महात्माओं को एडजस्टमेंट लेना पड़ेगा :-

1) यात्रा में करीब **34-36 घंटे जाने की और उतनी ही वापसी की ट्रेन में मुसाफ़री** रहेगी | इसके अलावा हमारी स्पेशियल ट्रेन होने की वजह से समय से 5 - 6 घंटे देर से पहुँचने की संभावना रहेगी (अतः समय को ध्यान में रखते हुए आपको अपनी कनेक्टेड ट्रेन की बुकिंग करवानी होगी)|
2) यात्रा के दौरान विविध स्थलों पर पहुँचने के लिए **रास्ते सँकरे** हैं और कहीं-कहीं **रास्ता खराब** होने की वजह से साईट-सीईंग या एक जगह से दूसरी जगह पहुँचने के लिए निर्धारित समय से **अधिक समय लग सकता** है|
3) यात्रा धर्मस्थल में होने की वजह से अधिकतर **आवास (Accomodation) धर्मशाला मे** ही रहेंगे | **ओप्शन 1** की कुछ धर्मशालाओं मे **इंडियन टॉयलेट की ही सुविधा** है और कुछ धर्मशालाओं में **पलंग की सुविधा भी मर्यादित** है | इन स्थलों पर ठहरने के लिए होटलें भी मर्यादित हैं |
4) सम्मेत शिखर एवं राजगीर में **कई बार बिजली कटौती होती** है (Power-cut) | इसलिए धर्मशाला / होटल के रूम में एयर-कंडीशन, पंखा, लिफ्ट और वॉटर गीजर का उपयोग ही नहीं कर सके ऐसी परिस्थिति हो जाती है |
5) **ट्रेन के अलावा** यात्रा धार्मिक स्थलों मे होने के कारण वहाँ **जैन भोजन** की ही व्यवस्था रहेगी और शाम को **चोविहार (सूर्यास्त से पहले भोजन)** करना होगा |
6) यात्रा के दौरान पूज्य श्री दीपकभाई अनुकूलता के अनुसार साईट-सीईंग के स्थल पर आएँगे, लेकिन हर **रोज़ शाम को** सभी महात्माओं के साथ **पूज्य श्री** का **इनफॉर्मल सत्संग** होगा|
7) **पुरुषों और महिलाओं** के लिए ठहरने की व्यवस्था अलग–अलग रहेगी |
8) यात्रा जनवरी महीने में होने की वजह से वहाँ ठंडी होगी|
9) फीका भोजन अलग से मिलेगा | परंतु अन्य कोई परहेज़ के लिए व्यवस्था नहीं हो पाएगी|
10) अपनी स्पेशियल ट्रेन अहमदाबाद, मुंबई या कौनसे स्टेशन से उपलब्ध होगी, यह माहिती बाद में दी जायेगी |

नोंध:- महात्माओं को उपरोक्त पोइन्ट को ध्यान से पढ़ने के बाद ही फॉर्म भरने हेतु निवेदन है |

यात्रा – ऑप्शन और खर्च

Jatra Cost (INR) (Inclusive of GST)	OPTION 1	OPTION 2	OPTION 3
	21000	34000	48000
Accommodation	Non AC room (4 or more MHTs per room)	AC room (3 or 4 MHTs per room)	AC Room (2 MHTs per room)
Train	Non AC, Sleeper Class	AC, 3A Class	AC, 2A Class
Bus Travelling	AC Bus	Volvo - AC Bus	Volvo - AC Bus
Bhojan	Common facility for all		
Sight Seeing			

पालकी का खर्च

सम्मेद शिखर पर्वत के लिए डोली शुल्क लगभग रु. 5000 से 6000 / - प्रति व्यक्ति होगा |

राजगीर पर्वत के लिए डोली शुल्क लगभग रु. 4600/- प्रति व्यक्ति होगा (एक पर्वत चढ़ाई)|

नोट: डोली चार्ज उस डोली में बैठे व्यक्ति के वजन पर निर्भर करेगा । उपरोक्त शुल्क 70 से 89 किलोग्राम वजन वाले व्यक्ति के अनुसार दिया गया है। इसके अतिरिक्त, यदि कई महात्मा डोली का विकल्प चुनते हैं, तो शुल्क बढ़ भी सकता है |

Cancellation Policy	Cancellation Charges (INR)		
	Option 1	Option 2	Option 3
On or before 15 December 2019	1000	2000	4000
16 Dec. 2019 to 7 Jan. 2020	3000	5000	10000
8 Jan 2020 onwards	No Refund	No Refund	No Refund

यात्रा रजिस्ट्रेशन मार्गदर्शिका

इस यात्रा का रजिस्ट्रेशन केवल Akonnect App द्वारा ही लिया जायेगा | यात्रा के लिए अलग से अन्य कोई फॉर्म भरने की जरुरत नहीं है | बुकिंग की प्रक्रिया नीचे अनुसार कुल 4 स्टेप में की जायेगी :-

Step 1 – रजिस्ट्रेशन फॉर्म भरना Akonnect मे रजिस्ट्रेशन फॉर्म भरने के पश्चात महात्मा को रजिस्ट्रेशन हो गया है ऐसा email / SMS द्वारा मेसेज मिल जायेगा |

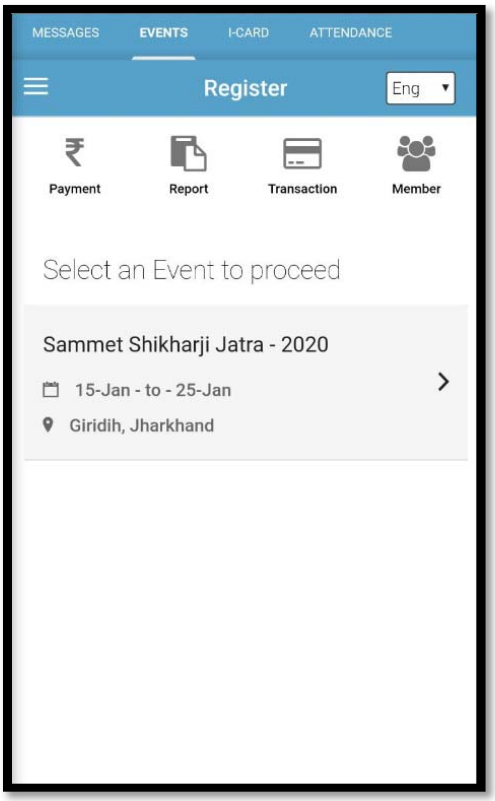

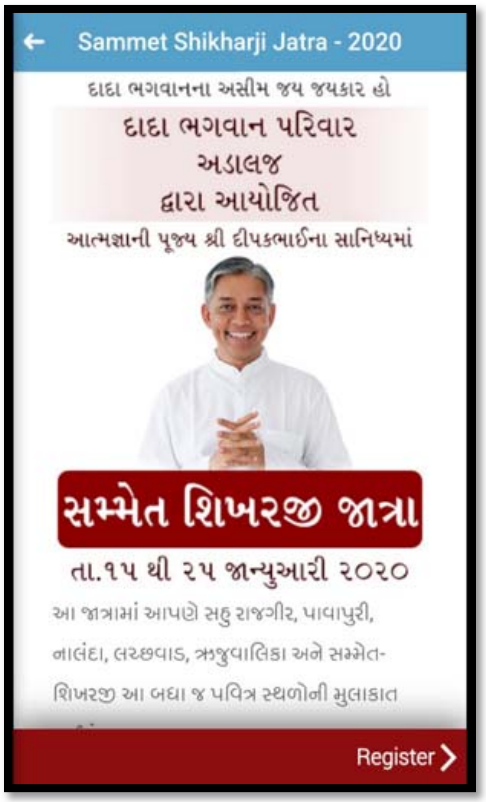

ध्यान दें:

1) जिन्हें Akonnect द्वारा रजिस्ट्रेशन करने मे दिक्कत हो :-
   a. वे मदद के लिए सेंटर कोर्डिनेटर का संपर्क कर सकते हैं या फिर अन्य ऐसे किसी महात्मा की भी मदद ले सकते हैं जिन्हें Akonnect का परिचय हो |
   b. यदि उपरोक्त माध्यम द्वारा न हो पाए, तो आप अडालज सत्संग ऑफिस मे संपर्क कर सकते हैं 9924348880 / 079-39830400 (सुबह 9:30 से 12 या शाम 3:30 से 6)
2) **5 साल से ज्यादा आयु** हो तो उन्हें अलग से नोर्मल रजिस्ट्रेशन करना जरुरी है (**फुल चार्ज**). **5 साल से कम आयु** हो तो चार्ज नहीं लगेगा, लेकिन उन्हें माता / पिता के सिट मे ही बस, ट्रेन और रूम मे एडजस्ट करना होगा | यात्रा मे काफी एडजस्टमेंट लेनी होगी, इसीलिए हम बच्चों को इस यात्रा मे **जुड़ने की सलाह नहीं देतें** |

Step 2 – अडालज ऑफिस कार्य - समीक्षा (एप्रूवल प्रक्रिया)

यात्रा की योग्यता (Criteria) के अनुसार आपका नाम मंजूर (Approved) हुआ है या वेइटिंग (WAITING) मे है, यह माहिती आपको तारीख 16 जुलाई से पहले SMS / email द्वारा मिल जायेगी | इसके आलावा आप खुद आपका स्टेटस Akonnect मे “My Members” मे या फिर “My Transactions” मे देख पाएंगे | (जैसे नीचे दिखाया गया है)

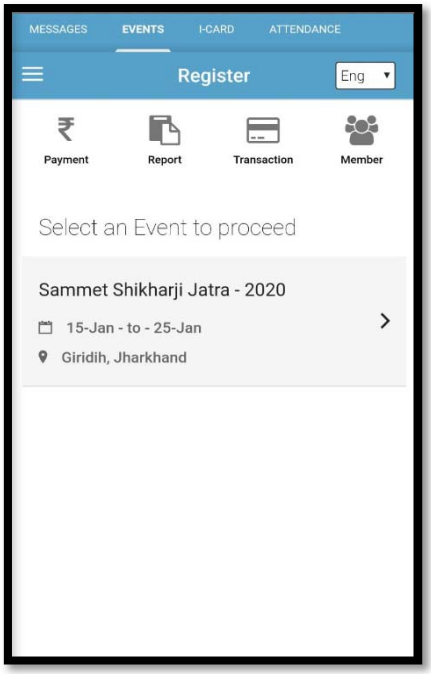

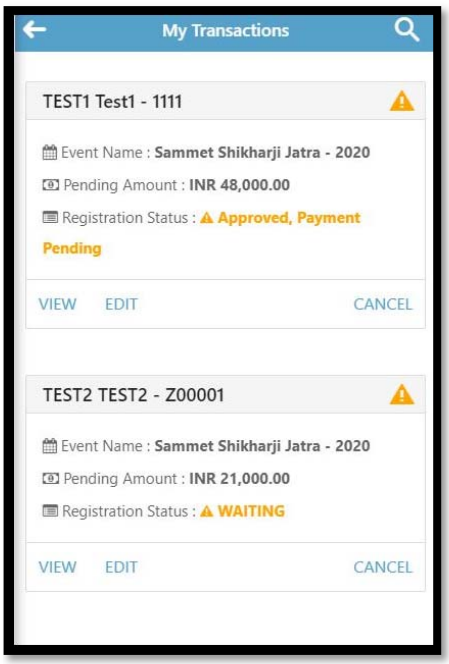

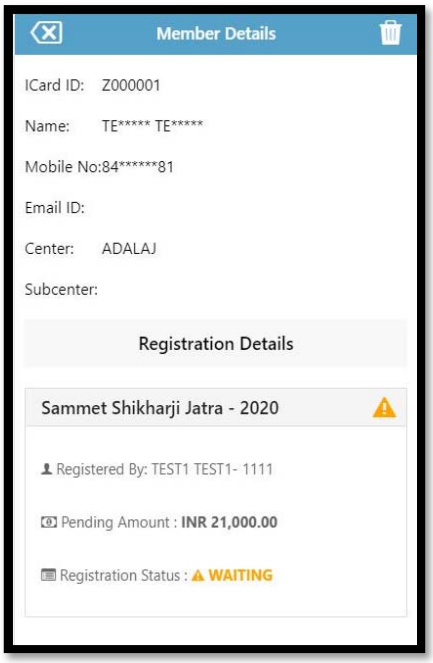

Step 3 – भुगतान (पेमेंट) - जिनका नाम एप्रूव (Approved) होगा उन्हें अलग से भुगतान के लिए मार्गदर्शन दिया जायेगा |

1) भुगतान ऑनलाइन / Internet Banking से, या बेंक मे जाकर NEFT से या अन्य कोई माध्यम से करना होगा | ज्यादा जानकारी बादमे भेजेंगे |
2) 2.1 यदि आपको अनुकूल हो तो आप पूर्ण पेमेंट 12 अगस्त से पहले एक साथ भी दे सकतें हैं| या फिर,
   2.2 पाना नम्बर 6 पर दिए गए पेमेंट टेबल की तारीखों से पहले २ किश्तों (इंस्टालमेंट) मे भुगतान कर सकतें हैं |
   भुगतान समय पर हो जाए तब ही रजिस्ट्रेशन कन्फर्म मान्य किया जायेगा | **यदि पेमेंट टेबल मे दी गई तारीख तक पेमेंट नहीं मिला, तो रजिस्ट्रेशन कैंसल हो जायेगा** और अन्य वेइटिंग (WAITING) लिस्ट मे जो महात्मा हैं उन्हें कन्फर्म किया जायेगा |

Step 4 – रसीद लेना

पेमेंट करने के पश्चात अडालज यात्रा टीम द्वारा आपको email / Whatsapp से रसीद मिल जायेगी | आपको जरुरत हो तो रसीद की प्रिंट आप खुद ले सकते हैं, या फिर आप अडालज आएं तब भी PAN Card की कोपी और महात्मा ICARD बता कर, यात्रा टीम के पास से ले सकते हैं |

यात्रा बुकिंग – मुख्य तारीखों की लिस्ट

Step	Details	Opening Date	Closing Date
1	"Sammet Shikharji Jatra" – मे Akonnectरजिस्ट्रेशन Once your registration is done, you shall receive email & SMS as a reference for the same.	4-Jun-19	30-Jun-19
2	समीक्षा (एप्रूवल प्रक्रिया) (Jatra team will approve based on various criteria)	1-Jul-19	15-Jul-19
	MHT will receive email & SMS on their registered Mobile displaying their status : 'Approved Payment Pending' or 'WAITING'	On or Before 16th July 2019	
3	'Approved' महात्मा भुगतान करेंगे या तो पूर्ण भुगतान 12 अगस्त से पहले या फिर नीचे अनुसार २ किश्तों (इंस्टालमेंट) में:		
	a. 1st इंस्टालमेंट नीचे के पेमेंट टेबल अनुसार	16-Jul-19	12-Aug-19
	c. 2nd इंस्टालमेंट नीचे के पेमेंट टेबल अनुसार	16-Jul-19	27-Oct-19

Payment Table	Last Date	Option 1	Option 2	Option 3
Installment 1	12-Aug-19, Mon	10,000	15,000	20,000
Installment 2	27-Oct-19, Sun	11,000	19,000	28,000
	Total =	21,000	34,000	48,000

4	भुगतान समय पर हो जाए तब ही रजिस्ट्रेशन कन्फर्म मान्य किया जायेगा	**यदि पेमेंट टेबल मे दी गई तारीख तक पेमेंट नहीं मिला, तो रजिस्ट्रेशन कैंसल हो जायेगा** और अन्य वेइटिंग (WAITING) लिस्ट मे जो महात्मा हैं उन्हें कन्फर्म किया जायेगा	

यात्रा के स्थलों के बारे में जानकारी

राजगीर

बिहार राज्य के नालंदा जिले में स्थित प्राचीन तीर्थ स्थान है| इस भूमि पर, भगवान महावीर केवलज्ञान के बाद चौदह साल तक, विचरण किए थे (उस समय यह शहर 'राजगृही' नाम से पहचाना जाता था)| इस पावन भूमि पर महावीर प्रभु से प्रतिबोध प्राप्त करके अनेकों आत्मा, जैसे कि श्रेणिक महाराजा ने(आने वाली चौबीसी के प्रथम तीर्थंकर श्री पद्मनाभ भगवान) तीर्थंकर गोत्र बाँधा| धन्ना सेठ, प्रसन्न चन्द्र राजर्षि, जंबूस्वामी, महावीर भगवान के ग्यारह गणधर जैसे अनेक आत्माओं ने यहाँ निर्वाण प्राप्त करके मोक्ष प्राप्त किया था| यहाँ जापानी लोगों की सहायता से बनाए गए बोद्ध मंदिर अपनी भव्यता-कलात्मकता की दृष्टि से दर्शनीय है|

राजगीर तीर्थ पर स्थित मुख्य पर्वतों की जानकारी:

1. **श्री विपुलाचल पर्वत** : इस पर्वत पर श्री मुनिसुव्रत भगवान की प्रतिमा है और ५५५ सीढियाँ हैं|
2. **श्री रत्नागिरी पर्वत** : इस पर्वत पर वासुपूज्य स्वामी, पार्श्वनाथ जी और नेमिनाथ जी की चरण पादुकाएँ हैं| पर्वत पर जाने के लिए १२७७ सीढियां हैं|
3. **श्री वैभवगिरि पर्वत** : श्री ऋषभदेव, श्री शांतिनाथ, श्री नेमिनाथ और श्री पार्श्वनाथ भगवंतों की चरण-पादुकाएँ स्थित हैं| भगवान महावीर के ग्यारह गणधरों ने इस पर्वत पर निर्वाण प्राप्त किया था और यहाँ ५३१ सीढियां हैं|

पावापुरी

प्राचीन मगध देश का शहर है| श्री महावीर स्वामी भगवान ने, दीवाली के दिन यहाँ निर्वाण प्राप्त करके, मोक्ष प्राप्त किया था| यहां महावीर भगवान के बड़े भाई नंदीवर्धन ने प्रभु की चरण पादुका का भव्य विशाल जलमंदिर का निर्माण करवाया|

नालंदा

यहाँ प्राचीन विश्व विध्यालय के खंडहर हैं| ई.स.पूर्व की पाँचवीं-छठवी सदी के, महावीर तथा तथागत् बुद्ध के युग तक का, इतिहास फैला हुआ है| नालंदा में एक सुंदर म्यूजियम भी है| जहाँ भगवान बुद्ध के समय की चीजों का संग्रह किया गया है|

लच्छवाड

चरम तीर्थंकर भगवान श्री महावीर की जन्मभूमि| पुराना नाम 'क्षत्रियकुंड'| भगवान महावीर अपने जीवनकाल के, जन्म से लेकर दीक्षा पर्यंत, ३० साल इस पावन भूमि पर विहरमान थे| यहाँ स्थित मंदिर में महावीर भगवान की मूर्ति, उनके जीवन काल में ही, उनके बड़े भाई नंदीवर्धन ने २५७४ साल पहले बनवाया था| बहुत ही भव्य प्रतिमा है| हाल में मंदिर का जीर्णोद्धार किया जा रहा है|

ऋजुवालिका

इस स्थल में नदी के तट पर शालिवृक्ष के नीचे श्री महावीर भगवान को केवलज्ञान प्राप्त हुआ था| यहाँ मंदिर में महावीर भगवान की भव्य प्रतिमा स्थापित है|

सम्मेतशिखर-

मधुवन गाँव के पास करीब ४५०० फुट की ऊंचाई पर सम्मेत शिखर पहाड़ है| यहाँ से पिछली चौबीसी के २० तीर्थंकर, पूर्व चौबीसियों के कई तीर्थंकर, साधु-समुदाय आदि अरबों लोगों ने इस पुण्य भूमि में निर्वाण प्राप्त किया है| गाँव कि तलहटी में श्री भोमियाजी का मंदिर है, जो यहाँ के रक्षक देव हैं| पहाड़ चढ़ने में नौ किलोमीटर और नीचे उतरने में नौ किलोमीटर इस तरह कुल अठारह किलोमीटर का रास्ता है| जिसमें लगभग चार घंटे चढ़ने और तीन घंटे उतरने में लगते हैं, कुल सात से आठ घंटे लगेंगे| यह पहाड़ वनस्पतियों से भरा हुआ है| शांत रमणीय स्थल है|

विशेष टीप :- इस यात्रा में हर एक महात्मा को अपनी ज़िम्मेदारी पर आना होगा| यात्रा के दौरान, किसी भी व्यक्ति को, किसी भी स्थल पर, किसी भी प्रकार से दुर्घटनाग्रस्त होने पर तथा ऐसी किसी भी घटना के लिए मुआवज़ा(हर्जाना) देने के लिए इस यात्रा की व्यवस्थापक कमिटी ज़िम्मेदार नहीं रहेगी|

For any queries you can contact Jatra team at jatra@dadabhagwan.org

Please share your Name, Contact no., City, Center & Country in the email.

Or Call Adalaj Trimandir Satsang office @ 9924348880 / 079-39830400

(Timing: 9:30am to 12 noon & 3:30pm to 6pm)